हमारी संस्था लुप्त हो रहे मानव मूल्यों को पुनर्स्थापित करने के लिए निरंतर कार्यरत है और असंतुलित उपज एवं विकास के साथ – साथ हरित क्रांति से होने वाले दुष्प्रभाव, जिन्हें पिछले तीन चार दशकों में हम सभी ने देखा है, के विषय में लोगों को सचेत कर रही है। हरित क्रांति ने भारतवर्ष में अनाज और सब्जियों की उपज को कई गुना बढ़ा दिया परंतु इसके साथ ही हमारे पर्यावरण एवं हमारी धरती माता तथा भूमिगत जलाशयों को दूषित कर दिया। विषाक्त पदार्थ, सिंथेटिक रसायनिक उर्वरक और कीटनाशक आदि का अत्यधिक प्रयोग जहां हमारे जल निकायों को दूषित करता है वहीं पृथ्वी की भूमि के पारिस्थितिक संतुलन पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। किसान इन रासायनिक उर्वरक और रासायनिक कीट नाशक के अत्यधिक प्रयोग से खुद भी खतरनाक बीमारियों को आमंत्रण देता है। कुछ कीटनाशक जैसे कि न्यू वान, एल्ड्रिन, क्लोरोपेरीफास जिनका प्रयोग कम मात्रा में एवं पानी के साथ मिलाकर मिट्टी में दीमक को खत्म करने के लिए किया जाना चाहिए। इन विषाक्त पदार्थों का स्प्रे सीधे सब्जियों पर किया जाता है जो कि ना सिर्फ खुद किसानों एवं उनके परिवारजनों के लिए हानिकारक है बल्कि आम लोग जो उन विषाक्त सब्जियों का प्रयोग करते हैं, उन लोगों को भी कैंसर, पेट की बीमारियां, लिवर, किडनी एवं अन्य मुख्य अंगों से संबंधित बीमारियों को झेलना पड़ता है।

आज किसान डी.पी.ए.पी, यूरिया एवं विषाक्त कीटनाशकों से अपनी धरती माता का अत्यधिक दोहन करते हुए अधिक से अधिक फसल उगाने के फेर में फसा रहता है और वो जब फल सब्जी मंडी में अपनी उपज लेके जाता है तो अत्यधिक मात्रा में उपज के बाजार में आने से किसान को अपनी ऊपज का बहुत कम मूल्य मिलता है। किसान आज एक चक्रव्यूह में

फस चुका है जिसमें क्या पर्यावरण, क्या धरती माता, क्या भूमिगत जलाशय, क्या किसान एवं आम लोगों का स्वास्थ्य तथा किसान की आय सभी को नुकसान हो रहा है।

शायद हम में से कई लोग इस बात से अनभिज्ञ होंगे कि अबोहर से श्रीगंगानगर के बीच चलने वाली अबोहर – श्रीगंगानगर यात्री रेल जिसे स्थानीय लोगों द्वारा कैंसर ट्रेन भी कहा जाता है, में रोजाना कई मरीज मुफ्त इलाज के लिए आचार्य तुलसी स्थानीय कैंसर उपचार एवं अनुसंधान केंद्र बीकानेर जाते हैं। पंजाब का मालवा क्षेत्र, जिसे राज्य का कपास क्षेत्र भी कहा जाता है, वहां के किसान, उनके परिवार और बच्चे कैंसर और कैंसर जैसी अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं जो उनके घरों में पीछे के दरवाजे से चली आती हैं। पिछले दो दशकों में किसानों के परिवारों के अधिकतर लोगों की मृत्यु कैंसर या अन्य गंभीर रोगों के कारण ही हुई है।खबरों के अनुसार पंजाब के किसान 923g/hct कीटनाशकों का उपयोग करते हैं

जो कि पूरे भारत के औसतन इस्तेमाल 570 g/hct से काफी ज्यादा है। वही परिस्थिति हमारे राज्य में भी दस्तक दे चुकी है। नदी के किनारों से लगी कृषि भूमि पर अत्याधिक मात्रा में विभिन्न प्रकार की सब्जियाँ उत्पन्न की जा रही हैं, जिनपर बहुत ज्यादा मात्रा में कीटनाशकों, यूरिया, डी पी ए पी, पौधों के विकास नियंत्रक जैसे कि आक्सिटोसिन, वनस्पति नाशक आदि अनेक जहरीले पदार्थों का अत्यधिक छिड़काव किया जा रहा है। यह सब्जियाँ बचे हुए जहरीले रासायनिक पदार्थों के साथ ही स्थानीय लोगों द्वारा खाई जाती हैं और अन्य राज्यों में भी भेजी जाती हैं। जम्मू–कश्मीर के लोग पिछले पांच – सात सालों से राज्य में बढ़ती हुई कैंसर की इस लहर के गवाह हैं।

वी द ह्यूमन की टीम ने लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक करने, किसानों और सरकार को अत्याधिक रासायनिक छिड़काव से उत्पन्न खतरनाक बीमारियों के साथ – साथ उपजाऊ भूमि पर पड़ रहे इसके दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देने की ना केवल पहल की है, अपितु इस ओर कई अन्य महत्वपूर्ण कदम भी उठाए हैं। एक प्रतिनिधि मंडल जिसमें वी द ह्यूमन के संस्थापक भी शामिल थे, ने 25 दिसम्बर 2017 को केंद्रीय गृह मंत्री माननीय श्री राज नाथ सिंह से उनके दिल्ली के सरकारी निवास स्थान पर मिलकर कुछ ज्ञापन पत्र सौंपे थे जिसमें इस मुद्दे पर और इसके जैसे कई मुद्दों पर प्रकाश डाला गया।

आज किसान का बेटा कृषि का पेशा अपनाने को तैयार नहीं है। हम सबको मिलकर किसान भाईयों को इस चक्रव्यूह से निकालना है जिसमें महिलाओं का भी बराबर का सहयोग चाहिए। आज समय आ गया है जब किसानों को वास्तविक पारंपरिक कृषि व्यवस्था की तरफ मुड़ना है, विषाक्त रासायनिक उर्वरक एवं कीटनाशकों का प्रयोग आवश्यकता अनुसार ही किया जाए और उनकी जगह देसी खाद एवं ऑर्गनिक उर्वरक और कीट भगाने वाले पदार्थों का इस्तेमाल करना आरम्भ कर देना चाहिए। किसानों को जीरो एनर्जी कूलिंग चेम्बर का निर्माण अपने अपने खेतों में करना चाहिए जिसका लागत मूल्य आठ से दस हजार से अधिक नहीं है। इस परंपरागत निशुल्क कूलिंग चेम्बर में किसान अपनी सब्जियां और फल, बाजार में कम मूल्य मिलने की स्थिति में सात से पंद्रह दिन तक बिना किसी नुकसान के रख सकते हैं और फिर बाजार मंडी में अच्छा मूल्य मिलने पर निकाल सकते हैं। सरकार को भी चाहिए की मुख्य उपज केंद्रों के समीप ही कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था की जाए एवं किसानों को कुछ दिनों के लिए अपनी ऊपज को निशुल्क रखने की सुविधा दी जाए। किसानों को बिना किसी शुल्क के कृषि बीमा की सुविधा दी जाए। किसानों को भी चाहिए कि हर किसान अपने खेत में गऊपालन, भेड़ बकरी पालन, मुर्गी पालन एवं मत्स्य पालन भी करे जिससे उसकी कृषि लागत कम हो जायेगी और लाभ भी बढ़ जाएगा। सरकार को भी चाहिए कि इनटिग्रेटेड अग्रिकल्चरल फार्मिंग सिस्टम को बढ़ावा दे और किसानों को एवं किसानों के परिवार जनों को बिना ब्याज के कर्ज की सुविधा दिलवाई जाए।

हम एक ऐसा मंच प्रदान करते है जहाँ सरकार व वातावरण कार्यकर्ताओं के संसाधन प्रदर्शकों व वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा कृषि क्षेत्र के हिताधिकारियों को कृषि के एकीकृत और टिकाऊ प्रणाली की कार्यशाला सह व्यवहारिक प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया जाता है। पर्यावरण और सामाजिक कार्यों में उपलब्धि ओर अनुकरणीय योगदान देने वालो को वी दा ह्यूमन द्वारा सम्मान स्वरूप पुरस्कार वितरित किये जाते हैं एवं बेसहारा औरतों और बच्चों में अनुदान राशि वितरित की जा रही है।

हम इस प्रकृति और मानव जाति की ओर विशुद्ध रूप से समर्पित समान विचारधारा व निःस्वार्थ लोगो द्वारा शुरू किये गए महान प्रयास में आपके मूल्यवान समर्थन की आशा करते हैं। आप सभी इस आंदोलन में जुड़ कर मानवता एवं प्रकृति का कल्याण कीजिए।

Satvik, Healthy & Safe Food
NIMBARK
HIMALAYAN. SATVIC. ORGANIC

Marketed by :
HIMALAYAN BIO-ORGANIC FOODS PVT. LTD.
A division of Sarveshwar foods ltd.
Sarveshwar House, Below Gumant, Jammu-18001 (J&K), India
For any inquiry contact us at : 1800-120-2341 or e-mail us at : info@nimbarkfoods.com

Sintex
BIO-GAS PLANT

0191-2480154, 94692 13095, 94191 85719
80/4, Greater Kailash, Jammu, J&K-180011
E-mail: nextera.technologie@gmail.com

BEE ENN GENERAL HOSPITAL
Your care is our concern
FREE
CATARACT SURGERY &
FREE BLOODSUGAR RANDOM TEST

AT
BEE ENN GENERAL HOSPITAL
TALAB TILLO ROAD, JAMMU
9070225706, 9070225702, 9070638888
9070225707, 9018206300

WE, THE HUMAN
Forum For Nature and Mankind

वी द ह्यूमन

भारतीय ट्रस्ट पंजीकरण अधिनियम 1882 के तहत पंजीकृत एक सार्वजनिक ट्रस्ट,
पंजीकृत कार्यालय
15/01, ग्राउंड फ्लोर, पी. एन.बी बिल्डिंग, छन्नी हिम्मत, जम्मू, पिन कोड – 180015
e-mail : wethehuman2018@gmail-com
website :www.wethehuman.in